कविता – सुनो, गाओ और दोहराओ :

– *रमेश थानवी*

मेरे गाँव लगा था मेला,
उसमें आया चाट का ठेला ।
हमने जाकर खाई चाट,
ऐसे थे मेले के ठाट ।

मेरे गाँव लगा था मेला,
उसमें आया झूलेवाला ।
जिसने हमें झुलाये झूले,
मन में नहीं समाए फूले ।

मेरे गाँव लगा था मेला,
आया एक खिलौनेवाला ।
लाए जाकर चार खिलौने,
रंग-बिरंगे बड़े सलोने ।

मेरे गाँव लगा था मेला,
हमने खाया जी भर केला ।
गुड़िया, गुनगुन दोनों साथ,
छोटे ने पकड़ा था हाथ ।

कविता – पढ़ो और हाव–भाव के साथ गाओ :

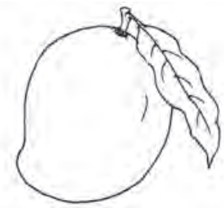

२. फलों की दुनिया

– *अनंत प्रसाद 'रामभरोसे'*

आओ चलें फल के बाजार,
चीकू, केला, बेर, अनार ।

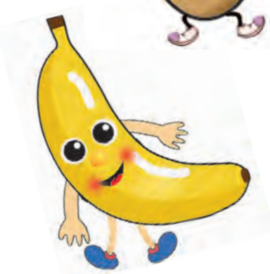

नाजुक शहतूत के नखरे चार,
संतरे, मोसंबी की आई बहार ।

हापुस, लँगड़ा और दसारी,
फलों का राजा सब पर भारी

बेल, सेब और खरबूजा,
हरा–भरा देखो तरबूजा ।

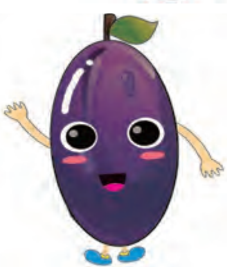

अंगूरों की बात निराली,
जामुन की है सूरत काली ।

सीताफल, अमरूद, पपीता,
अंजीर, कीवी हुए सुभीता ।

हर मौसम के फल तुम खाओ,
फलों से ताकतवर तन पाओ ।

लेकिन यह ना कभी भुलाना,
साग, रोटी, दाल भी खाना ।

वाचन – पढ़ो, समझो और बताओ :

बहुत पहले की बात है । बड़हल अपने बड़े भाई कटहल के साथ अपने ननिहाल मिठासपुर गया । शाम का समय था । शहतूत, करौंदा, अंजीर, रामफल, बेल, चेरी आदि फल कबड्डी खेल रहे थे । बड़हल-कटहल को देख सभी फल हँसने लगे और तन के काँटे देखकर मुँह बनाने लगे ।

फलों के राजा आम को किसी के रंग-रूप-आकार का मजाक बनाना पसंद नहीं था । आम ने कहा, ''तुम सब इन दोनों के साथ कबड्डी क्यों नहीं खेल लेते ?'' फिर क्या था । सभी फल एक तरफ खड़े हो गए । दूसरी तरफ बड़हल और कटहल ।

कटहल कबड्डी-कबड्डी करते उनके दल में गया । सभी फल एक साथ कटहल को पकड़ने दौड़ पड़े । कटहल ने बड़े आराम से जमीन पर लुढ़ककर गुलाटी मारी । ये क्या ? शहतूत, करौंदा, बेल, अंजीर, चेरी सब दबकर चिल्ला पड़े । कटहल कबड्डी-कबड्डी बोलते खरबूजा, पपीता, रामफल,मोसंबी को धकियाते-गिराते पाले से जा लगा । सभी फलों के मुँह लटक गए ।

आम ने सबको समझाया कि कोई अपने रंग-रूप, आकार से नहीं बल्कि अपने गुणों के कारण जाना जाता है । मानव कटहल और बड़हल का फल खाता है । इसका सिरका, अचार और सब्जी भी बनती है । इसके फूलों की खुशबू मीलों तक महकती है ।'' सभी फलों को आम की बात बहुत पसंद आई । सभी एक-दूसरे के मित्र बन गए ।

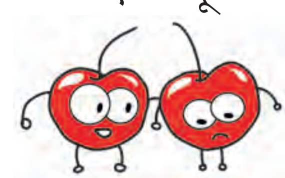

३. सब्जियाँ

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

(पाई '।' हटाकर जुड़ें हम)

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

शत्रुघ्न भक्ष्य कुत्ता तथ्य मध्य मुन्ना प्याला सम्मान अय्यर ज्योति काव्या पत्थर
बच्चा चम्मच लस्सी उल्लू चूल्हा सब्जी चप्पल ग्वाला अच्छा ज्वाला ग्लास

खुशी और आनंद को हरी सब्जियाँ पसंद हैं ।

चूल्हे पर बना खाना स्वादिष्ट होता है ।
बच्चा गुब्बारा देखकर हँसने लगा ।
कल्लू गाँव का ग्वाला है ।

काव्या चप्पल पहनो ।
मुन्ना चम्मच से खाएगा ।
उत्पल उल्लू का चित्र बना ।

अनुलेखन – पढ़ो और लिखो : (व् ख् च् थ् भ् म् ज्)

व्याख्या सच्चा पथ्य अभ्यास म्यान ज्वार

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

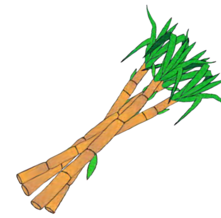

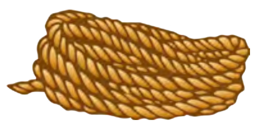 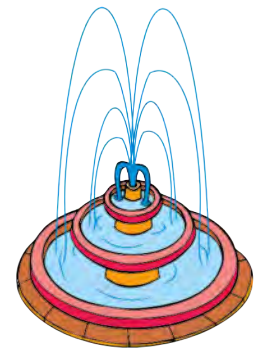

वाचन – पढ़ो :

मुख्य विघ्न ज्वार लक्ष्य त्र्यंबक तथ्य ध्यान सभ्यता खय्याम हल्दी
गुब्बारा पत्ता प्याज गन्ना ग्यारह रस्सी चश्मा फव्वारा दिव्य पुष्प

घनश्याम पत्ता तोड़कर लाओ ।
अम्मा ने सब्जी में प्याज डाला ।
पुष्पा चश्मा लगाकर पढ़ो ।
कृष्णा गुब्बारा खरीदकर लाओ ।

कल्पना रस्सी पकड़ो ।
ज्योति फव्वारा देखो ।
सौम्या गन्ना तोड़कर लो ।
अख्तर अंकों में ग्यारह लिखो ।

आकलन – समझो और लिखो :

कत्था	अ···छा	सं···या	···वाला
···यान	···याला	च···मच	ह···दी
मु···ना	वि···व	पु···प	अ···यास
स···जी	फ···वारा	···याही	
···यंबक	शत्रु···न	अक्षु···ण	

४. पाठ्यपुस्तक

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

(हल '्' लगाकर जुड़ें हम)

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

खट्टी चट्टान पट्ठा पाठ्यक्रम पाठ्यवस्तु गुड्डा गड्ढा उद्यान उद्देश्य प्रह्लाद ब्रह्मा हड्डी गद्दा कपड़े का गट्ठा विरामचिह्न लट्टू पाठ्यपुस्तक द्वार धनाढ्य बाह्य मट्ठा

खुशी और आनंद पाठ्यपुस्तक पढ़ रहे हैं ।

किट्टू हड्डी का चित्र बनाओ ।
श्रद्धा उद्यान में लट्टू घुमाओ ।
विद्या द्वार पर खड़ी है ।
पप्पा गद्दा बिछा दो ।
चंपा विरामचिह्न पहचान ।
श्याम कपड़े का गट्ठा लेकर जा रहा है ।

अनुलेखन – पढ़ो और लिखो : (ट् ठ् ड् ढ् द् ह्)

दुपट्टा कबड्डी बलाढ्य सिद्धि असह्य

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

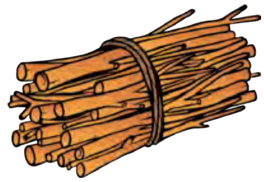

वाचन – पढ़ो :

छुट्टी पाठ्य गुड्डी वाङ्मय धनाढ्य गिद्ध उच्छ्वास असह्य लड्डू
गट्ठर कद्दू चिह्न भुट्टा पाठ्येतर साहित्य बलाढ्य गड्ढा अपराह्न

चिन्मय पाठ्येतर साहित्य पढ़ो ।

कल्लू गट्ठर उठाकर चल दिया ।

अद्वैत भुट्टा खा ।

अम्मी बेसन के लड्डू बनाओ ।

आज घर में कद्दू की सब्जी बनी है ।

मन्नू धन का चिह्न पहचानो ।

आकलन – समझो और करो :

हड्डी	ग···ठर	प···टा	ग···दा
प···य	क···दू	अस···य	वा···य
चि···न	ग···ढा	पा···य	म···ठा
त···य	मा···य	स···मान	
···वार	भा···य	चू···हा	

2E3PFB

आकलन – देखो, समझो और करो :

५. बचत एवं स्वच्छता

✻ दिए गए चौकोनों में सही चित्र को ☑ और गलत पर ☒ निशान लगाओ :

वाचन– पढ़ो और लिखो :

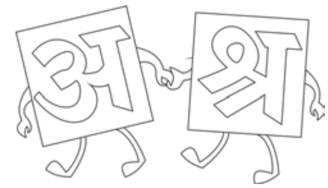

६. अ से श्र तक

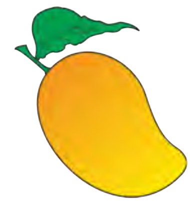

अक्षय आम चख ।

श्रवण आँख पर ऐनक पहन ।

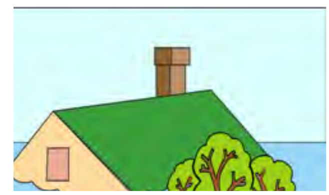

ओम ऊपर छत पर चढ़ ।

कमल झटपट औषध रख ।

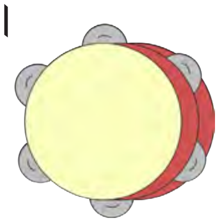

जलज डफ रख । ढम–ढम मत कर ।

शरद ठहर, फल एकत्र कर ।

बटन ऑफ कर ।

ऋषभ बड़बड़ मत कर ।

अंगद पत्र रख और इधर आ ।

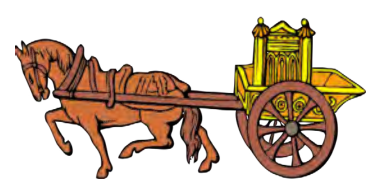

सई रथ पर चढ़ ।

करण उधर घर पर यज्ञ कर ।

अहमद अः ङ ञ ळ पढ़ ।

2ELGIL

७. गफ्फार की चक्की

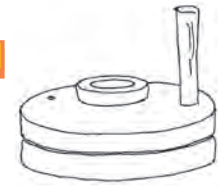

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

(आधे 'क' 'फ' होकर जुड़ें हम)

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

पंक्ति मक्खन ऑक्सीजन भक्त क्यारी मुफ्त शगुफ्ता मुजफ्फर फुफ्फी गुफ्फी
चक्की गफ्फार पट्टा डब्बा मक्का द्‌वार चक्का ढक्कन तख्ता सुक्खी स्विच

खुशी और आनंद चक्की पर गेहूँ पिसाने गए हैं ।

गफ्फार की चक्की खुली है ।
सुक्खी चक्की में आई है ।
वह डिब्बे में मक्का पिसाने लाई है ।
जफ्फार और गुफ्फी के भी डिब्बे रखे हैं ।
चक्की बिजली से चलती है ।
बिजली से चक्की का पट्टा घूमता है ।
गफ्फार का सारा ध्यान पिसाई पर होता है ।
गफ्फार हफ्ते में एक दिन छुट्टी मनाता है ।

अनुलेखन – पढ़ो और देखकर लिखो : (क् फ्–क फ)

हफ्ता मुक्ता कोफ्ता अक्का दक्खिन गिरफ्तार

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

वाचन – पढ़ो :

वक्त टक्कर बॉक्सर क्यारी मुफ्त गुफ्ती फुफ्फी दफ्तर
डॉक्टर रफ्तार शक्ति पद्‌मावती रद्‌दी षष्ठी ध्वनि गद्‌य बच्चा

डॉक्टर मुजफ्फरपुर गए हैं ।
समृद्‌धि रिक्शा से आई ।
फुफ्फी ने रुक्की को सिक्का दिया ।
अंजू रोटी पर मक्खन लगाओ ।

अंशुल दूध में शक्कर डाल ।
चाँदनी दफ्तर में काम कर ।
गुड्‌डू रफ्तार से गाड़ी चलाता है ।
अंकित शक्तिशाली छात्र है ।

आकलन – समझो और करो :

चिक्की	भ···त	वा···य	म···कार	शि···त
ट···कर	र···तार	गु···फी	बा···सर	गु···ती
फुफ्फा	शगु···ता	प···का	मु···ता	अ···मा
पु···पा	प···टी	···योति	दि···या	ल···सी
अ···छा	च···पल	···लास	कु···ता	
ल···य	ग···ढा	गि···ली	···वार	

2EVCK9

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

८. मेरा राज्य

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

ट्रक ड्रम राष्ट्रीय ट्रंक दर्पण वर्ष मिर्च अथर्व द्रव्य व्याघ्र ग्रह क्रांति पंद्रह चक्र सह्याद्रि मेट्रो पूर्णा ब्रश टॉर्च ट्रैक्टर पर्वत सर्वधर्म ट्रॉली राष्ट्र ग्रहण

खुशी और आनंद महाराष्ट्र के निवासी हैं ।

मेरा राज्य महाराष्ट्र है ।
मुंबई में मेट्रो ट्रेन दौड़ती है ।
मुंबई सर्वधर्म समभाव का द्योतक है ।

सह्याद्रि पर्वत की शृंखलाएँ फैली हैं।
मुंबई के डिब्बेवाले प्रसिद्ध हैं ।
महाराष्ट्र में अनेक पर्यटन स्थल हैं ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ : (^ ⁄ ˘)

राष्ट्र धृतराष्ट्र आचार्य सार्थक प्रवीण सुप्रिया

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

वाचन – पढ़ो :

वर्ष मेट्रो विक्रम ट्रॉली हर्षल चंद्र अर्पणा प्रकाश राष्ट्र आकर्षण
टॉर्च ब्रश ट्रैक्टर कृष्ण गजेंद्र विद्‌या गुड्‌डा शगुफ्ता विक्की

हर्ष ट्रैक्टर चलाता है ।
कोलकाता में ट्राम चलती है ।
वर्षा की पर्स अच्छी है ।
मुझे अपने राष्ट्र पर गर्व है ।

विक्रम प्रातः ब्रश करता है ।
प्रवीण कुर्सी पर बैठता है ।
अर्चना दर्जी के पास गई है ।
शौर्य बुजुर्गों को प्रणाम करता है ।

आकलन – समझो और करो :

ड्रम	राष्टीय	मेटो	टेन	सौराष्ट
हर्ष	दशन	अपण	दपण	घषण
प्रणाम	चंदमा	चक	विप	पयास
अँगूठा	छाछ	कुआ	छाव	आगन
प्रात :	अत	पुन	नम	
ऑन	आफिस	टाफी	कालनी	

2F58LH

गीत – पढ़ो और बताओ :

९. जन्मदिन

मीरा को मिल रही बधाई,
अब घर में हैं खुशियाँ छाई ।

मामा आए, मौसी आई,
साथ बुआ जी गुड़िया लाई ।

घर में बनी है खूब मिठाई,
हलवा, बरफी, रसमलाई ।

मन में विचार अनोखा आया,
मीरा ने माँ को बतलाया ।

जन्मदिन का हो ऐसा उपहार,
सब बच्चों में बाँटें प्यार ।

आँगन में इक रोप लगाएँ,
जन्मदिन कुछ ऐसे मनाएँ ।

संवाद – पढ़ो और चर्चा करो :

माँ : मीरा बेटी, जन्मदिन की बहुत–बहुत बधाई ।

मामा–मामी : मीरा यह लो । हम तुम्हारे लिए कहानी की पुस्तक लाए हैं ।

चाचा–चाची : बेटा! यह लो नये कपड़े ।

बुआ–फूफा : मीरा, तुम्हें खिलौने पसंद हैं; हम बोलने वाली गुड़िया लाए हैं ।

मौसा–मौसी : हमारी तरफ से कुछ पैसे लो । इन्हें अपने गुल्लक में डाल दो ।

नाना–नानी : यह लो हमारी ओर से गुलाब के फूल ।

मीरा : आप सभी को धन्यवाद ।

पिता जी : आज मुझे अपनी बेटी पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है ।

मामी : वह भला क्यों ?

माँ : हमारी बेटी ने जन्मदिन अलग ढंग से मनाने का निश्चय किया है ।

दादा–दादी : हमारी मीरा विशेष बच्चों के साथ जन्मदिन मनाना चाहती है ।

मीरा : हाँ नानी ! मेरी पाठशाला में दिव्यांग बच्चे भी पढ़ने आते हैं । मैं अपना जन्मदिन उन सहपाठियों के साथ मनाना चाहती हूँ ।

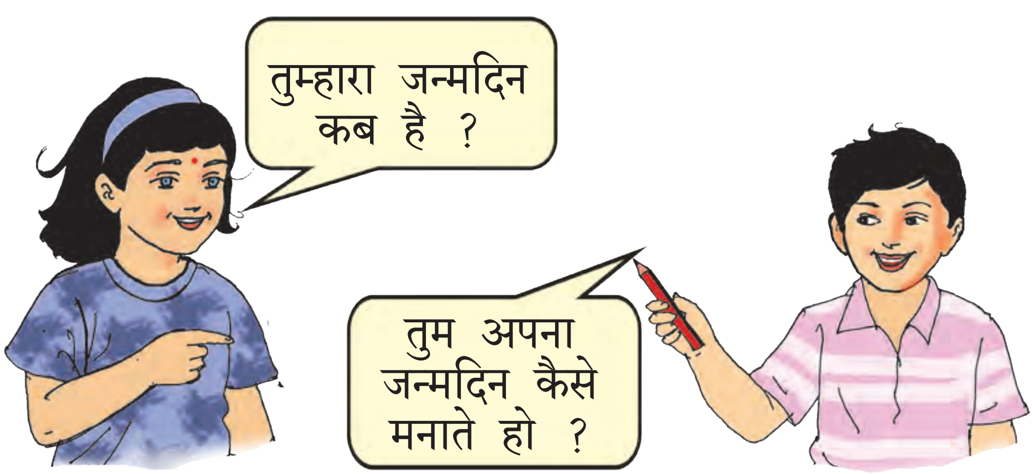

2FE4NJ

❋ अभ्यास – ३

कृति – वर्ण पहेली से सार्थक शब्द बनाओ :

गें	प	चा	न	ल	ज्ञ	गें
हूँ	त्र	व	चं	मूं	दा	ल
क	म	ल	पा	मो	ग	रा
ह	रा	गु	बा	ज	रा	ज
ल	ला	बा	घ	च	पं	मा
ब	से	वं	ती	र	ना	ख

शब्द पूर्ण करो और वाचन करके पुनः लिखो :

मर, हि, च, जु — म्म — त, त, च, न

मरम्मत

....

....

....

चित्र में दिखाए गए सजीवों को पहचानकर आगे बनी चौखट में √ का निशान लगाओ ।

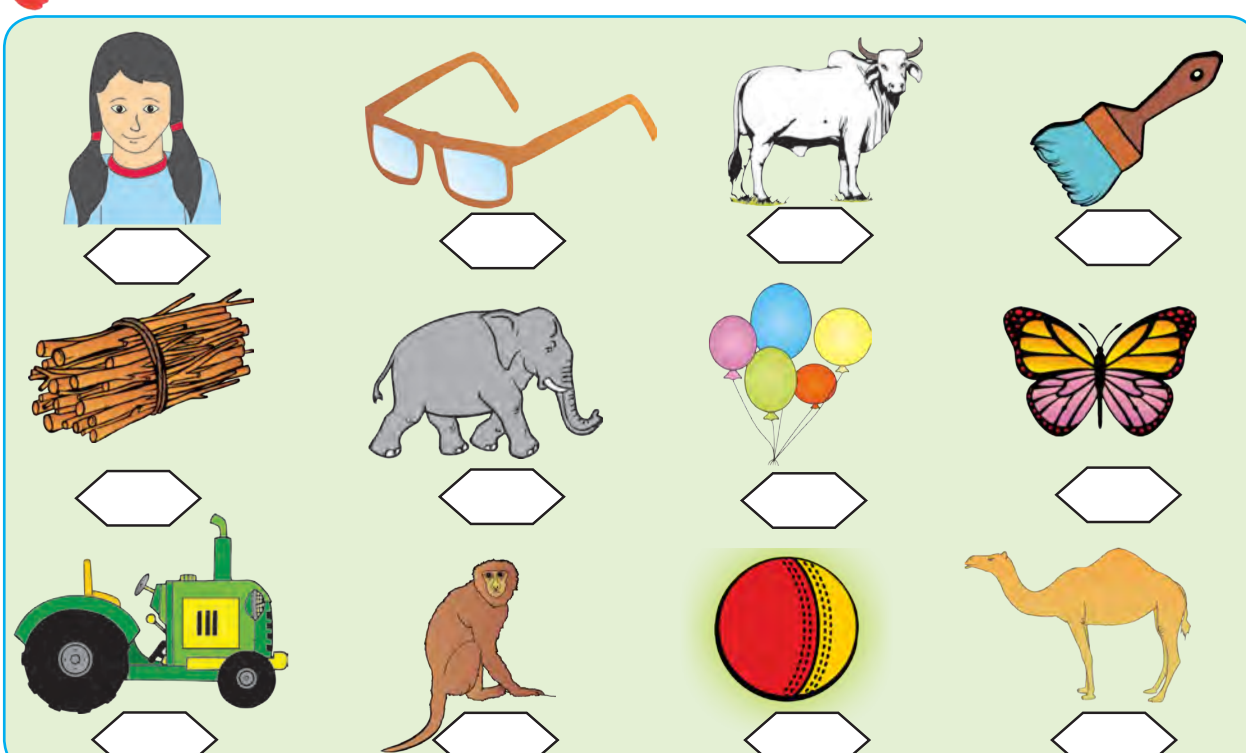

सोचो – समझो और लिखो :

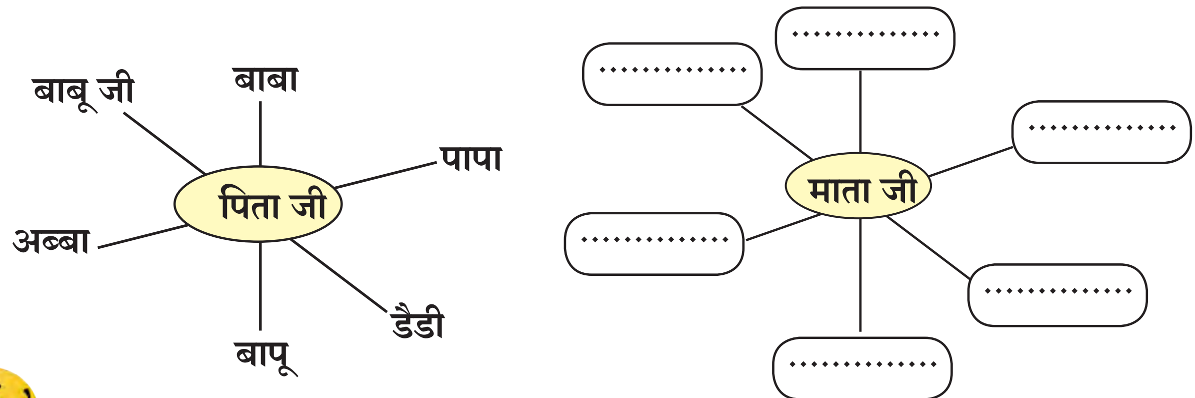

आकलन – चित्र देखकर शब्द भरो :

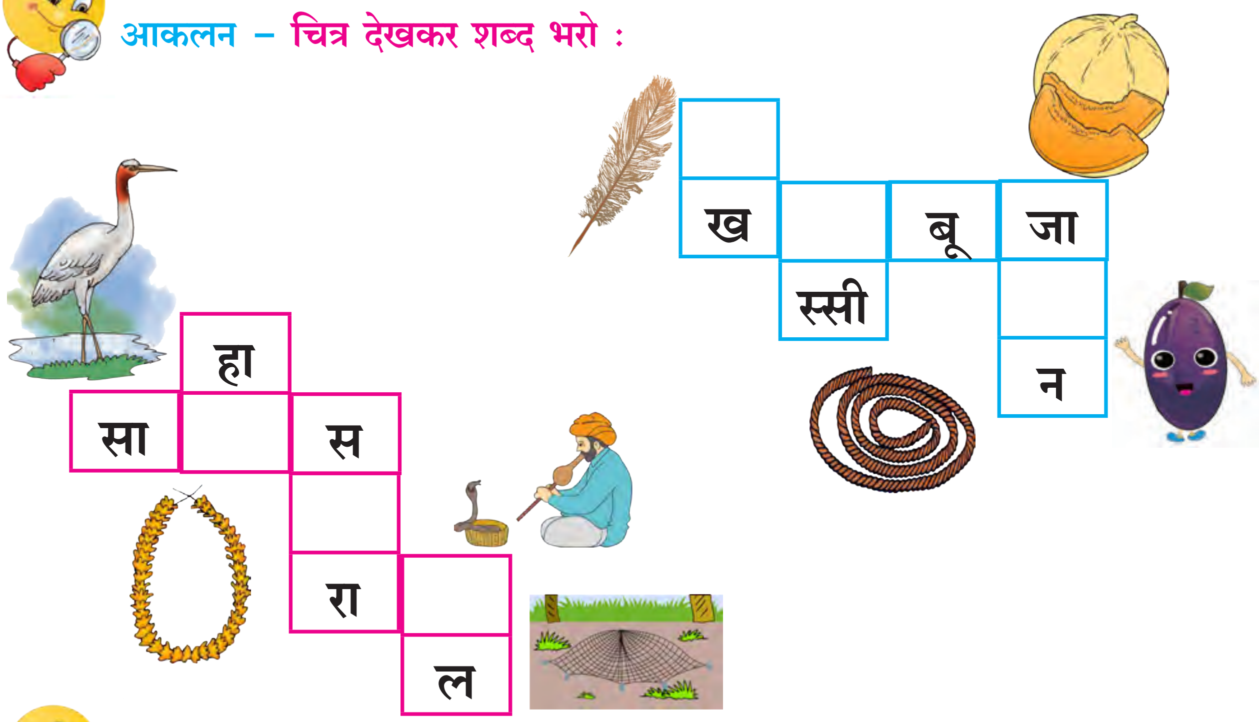

आकलन – उचित शब्द बनाकर लिखो :

(१) नी पा – पानी
(२) ध दू – ....
(३) ल ढा – ....
(४) ल व चा – ....
(५) क म न – ....
(६) ना प स – ....
(७) ला शा ठ पा – ....
(८) र ज अ ग – ....
(९) वा द र जा – ....

साँप, अपने बिल तक कैसे पहुँचेगा, उसे उँगली से दिखाओ ।

✻ अभ्यास–४

कृति – वर्ण अवयवों के चित्रों को देखो, समझो और इसी प्रकार अपने मन से चित्र बनाओ :

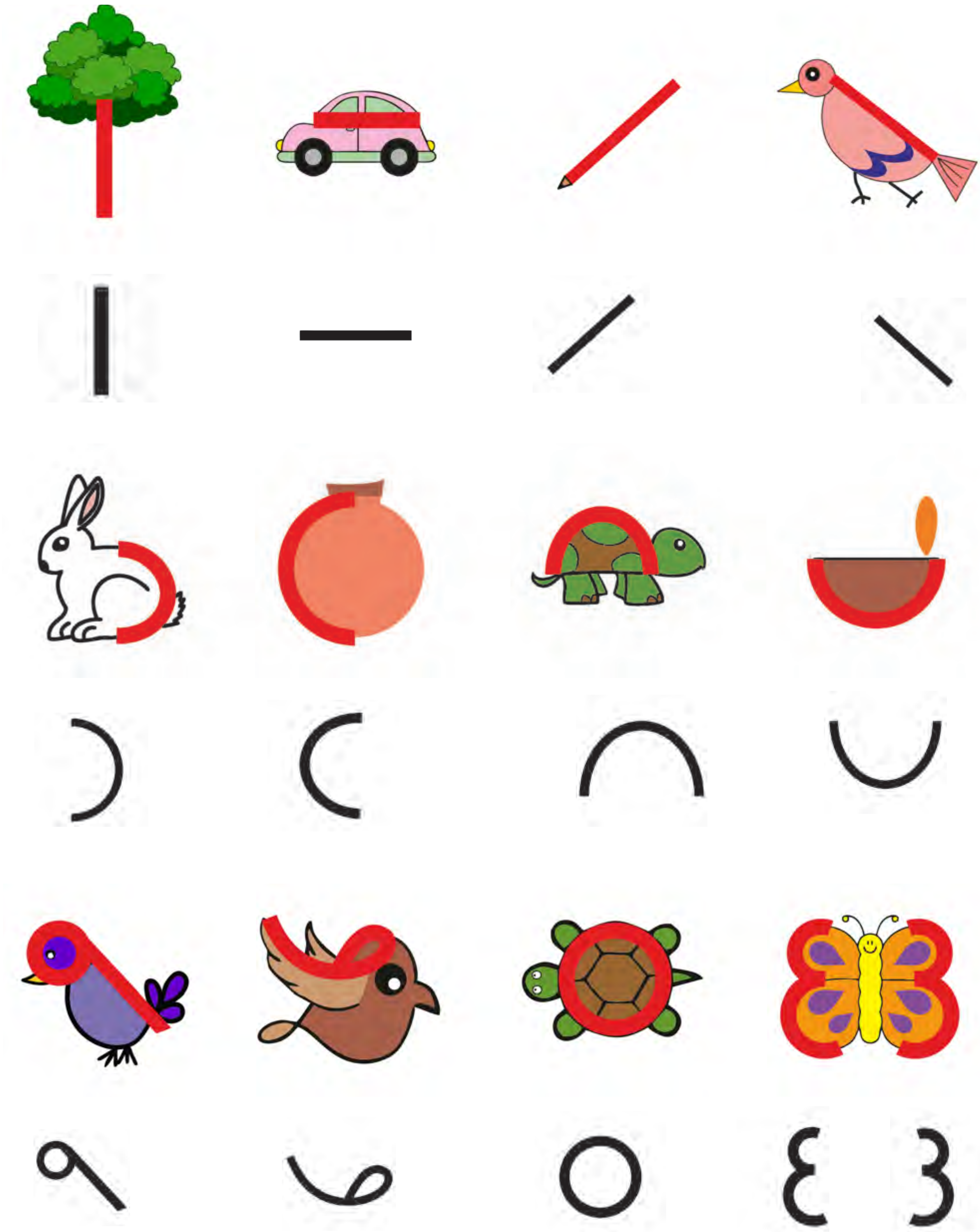

पूर्वानुभव – देखो, समझो और बताओ :

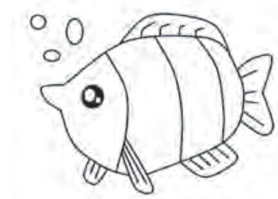

* अंतर खोजो

* नीचे दिए गए दोनों चित्रों में दस अंतर हैं । अंतर ढूँढ़कर उनपर ◯ चिह्न लगाओ :

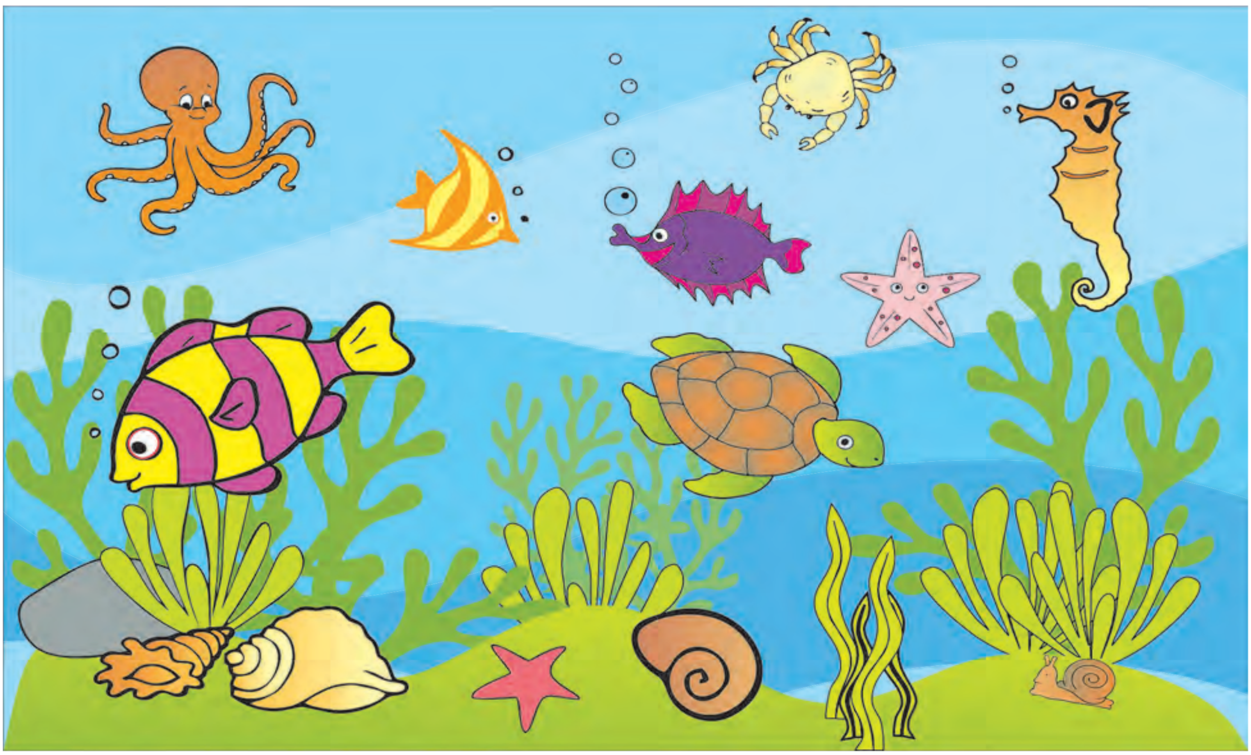

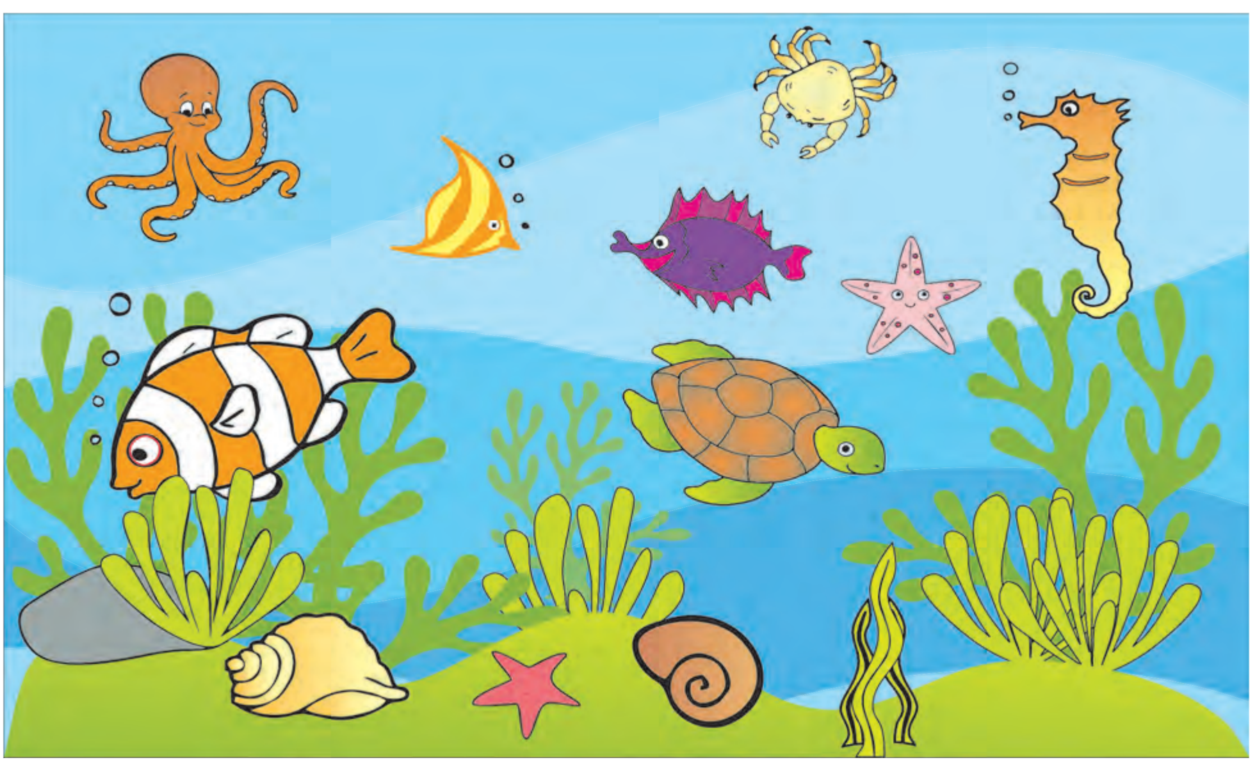

चित्रकथा – देखो, बताओ, पढ़ो और लिखो :

१. सच्चा मित्र

मिहिर और डेविड दो मित्र थे । एक दिन वे घूमने के लिए बाहर निकले ।

घूमते हुए दोनों एक जंगल में पहुँचे । उन्हें सामने से भालू आता दिखा।

भालू को देखकर डेविड अकेला ही चुपचाप पेड़ पर चढ़ गया । मिहिर भौचक्का नीचे ही खड़ा रह गया ।

भालू को पास आता देख मिहिर साँस रोककर लेट गया । भालू उसे सूँघने लगा ।